P372

आरएनआई - एमपीएचआईएन/2021/81650

इंदौर, रविवार 16 अगस्त 2026

■ वर्ष : 5 ■ अंक : 249
■ पृष्ठ : 6 ■ मूल्य : 2

dainikindoresanket.com
dainikindoresanket
dainikindoresanket
dainikindoresanket24@gmail.com

सांध्य दैनिक

इंदौर संकेत

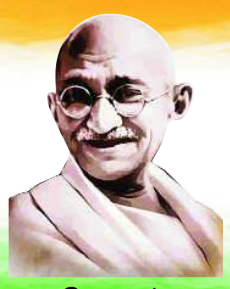

राष्ट्रपिता को नमन...

अंदर के पन्नों पर...

कलेक्टर ने कलेक्टर कार्यालय में किया ध्वजारोहण

पेज-2

प्रदेश में भारी वर्षा की चेतावनी

पेज-3

ओंकारेश्वर रोड स्टेशन पर इलेक्ट्रिफिकेशन काम पूरा

पेज-4

न्यूज ब्रीफ

- किसानों के दिल्ली कूच के ऐलान के बाद हरियाणा पुलिस ने खनौरी बॉर्डर पर बढ़ाई सख्ती
- फंदे से लटका मिला ममता बनर्जी के करीबी और बंगाल असेंबली के पूर्व डिप्टी स्पीकर का शव
- 'मुझे दिमागी नक्सल होने पर गर्व', बोले कांग्रेस नेता पी चिदंबरम
- पीएम मोदी ने पूर्व पीएम अटल बिहारी को किया याद, कहा- उनके विचारों और प्रयासों ने कई पीढ़ियों को प्रेरित किया
- कर्नाटक लोक भवन आज से 18 अगस्त तक आम लोगों के लिए खुला रहेगा
- SAD आज से 'पंजाब बचाओ' रैलियों के दूसरे चरण की शुरुआत करेगा
- कतर ने ईरानी पायलटों को हिरासत में रखने से किया इनकार, एक के शव की पुष्टि
- सबरीमाला मंदिर आज शाम चिंगम महीने की पूजा के लिए खुलेगा, कल से श्रद्धालुओं को दर्शन
- 'अमेरिकी नाकाबंदी अंतरराष्ट्रीय कानून के तहत आक्रामकता', होर्मुज तनाव पर ईरानी प्रवक्ता इस्माइल बघाई का हमला
- पश्चिम बंगाल में आज से आयुष्मान भारत योजना की शुरुआत

प्रदेश सरकार का नया जेन जी प्लान : 2027 मनेगा युवा वर्ष

इंदौर संकेत प्रतिनिधि

भोपाल ● दिल्ली में हुए जेन-जी आंदोलन के बाद युवाओं के मुद्दे राजनीतिक दलों की प्राथमिकता में आ गए हैं। मध्य प्रदेश में भी अगस्त से डॉ. मोहन यादव सरकार ने युवाओं पर फोकस बढ़ाया है। सरकार ने 2027 को 'युवा वर्ष' के रूप में मनाने का फैसला किया है। इसके तहत सरकारी नौकरियों, भर्तियों और युवा कल्याण योजनाओं को लेकर नया एजेंडा तैयार किया जा रहा है।

यह पहल प्रशासनिक सुधार के साथ 2028 के विधानसभा चुनाव से पहले युवा वोटरों को साधने की रणनीति भी हो सकती है। इसके अलावा सरकार वर्तमान में चल रही योजनाओं का इम्पैक्ट ऑडिट भी कराने जा रही है। इसके लिए हाई लेवल कमेटी बनाई गई है। इसमें लाड़ली बहना जैसी योजना का भी इम्पैक्ट ऑडिट होगा।

वर्तमान में सरकार के जेन जी को लेकर प्लान

2027 को 'युवा वर्ष' बनाने का फैसला : 2028 के विधानसभा चुनाव से एक साल पहले 2027 को 'युवा वर्ष' के रूप में मनाया जाएगा। इसके तहत रोजगार, कौशल विकास, उद्यमिता और सामाजिक भागीदारी से जुड़े अभियान चलाए जाएंगे।

27 हजार से ज्यादा युवाओं को रोजगार का दावा : जुलाई 2026 में मुख्यमंत्री कार्यालय ने दावा किया कि सरकार ने 27 हजार से अधिक युवाओं के लिए रोजगार

के अवसर उपलब्ध कराए हैं। यह आंकड़ा सरकार के युवा रोजगार अभियान के प्रमुख दावों में शामिल है।

आठवीं के बाद ड्रॉपआउट रोकने के लिए पहल : 2026 में शुरू की गई वोकेशनल एजुकेशन टू एड्रेस ड्रॉप आउट्स पहल का उद्देश्य आठवीं के बाद पढ़ाई छोड़ने वाले बच्चों को व्यावसायिक शिक्षा से जोड़ना है। इसके साथ ओपन स्कूलिंग के जरिए उनकी पढ़ाई जारी रखने का विकल्प दिया जा रहा है। इससे स्कूल ड्रॉपआउट के साथ कौशल की कमी और बेरोजगारी की समस्या को कम करने पर फोकस है।

सरकारी नौकरी से आगे 'पढ़ाई से उद्यमिता' पर फोकस

मोहन सरकार की रणनीति में युवाओं के रोजगार का फोकस सरकारी नौकरियों और भर्ती परीक्षाओं से आगे बढ़ाकर कौशल प्रशिक्षण, उद्योगों से जुड़ाव, अप्रेंटिसशिप, निजी क्षेत्र में प्लेसमेंट, स्वरोजगार और उद्यमिता तक किया जा रहा है। इसका लक्ष्य युवाओं को केवल नौकरी तलाशने वाला नहीं, बल्कि रोजगार देने वाला बनाना है।

भर्ती परीक्षाओं में देरी और गड़बड़ियों को कम करने के लिए सरकार डिजिटल ट्रैकर पोर्टल विकसित कर रही है। इसमें हर सरकारी भर्ती की पूरी टाइमलाइन वैकेंसी, विज्ञापन, परीक्षा, रिजल्ट और नियुक्ति की तारीख दर्ज होगी। युवा मोबाइल से भर्ती प्रक्रिया का स्टेटस देख सकेंगे।

हर साल सरकारी विभागों की वास्तविक रिक्तियों का एकीकृत कैलेंडर जारी किया जाएगा। इससे युवाओं को पहले से नियुक्तियों की संभावित संख्या और भर्ती का रोडमैप पता रहेगा, जिससे वे तैयारी बेहतर तरीके से कर सकेंगे।

राहुल गांधी सितंबर में पायलेट प्रोजेक्ट के लिए सीएम के गृह जिले में करेंगे शंखनाद

उज्जैन संभाग के छह जिलों के बूथ लेवल एजेंट तक होंगे शामिल

कांग्रेस के पंचायत कांग्रेस कमेटी के देश के पहले पायलट प्रोजेक्ट की समीक्षा अब पार्टी के पूर्व राष्ट्रीय अध्यक्ष राहुल गांधी करेंगे। इसके लिए अगले सितंबर में उज्जैन संभाग में पहली संभागीय बैठक आयोजित की जाएगी। बैठक में उज्जैन संभाग के छह जिलों की 29 विधानसभा सीटों से जुड़े कांग्रेस पदाधिकारी और कार्यकर्ता शामिल होंगे। बैठक में आगर-मालवा, देवास, उज्जैन, रतलाम, मंदसौर और नीमच जिलों के जिला कांग्रेस कमेटी और ब्लॉक कांग्रेस कमेटी के पदाधिकारी मौजूद रहेंगे। इसके अलावा पंचायत और बूथ स्तर तक संगठन को मजबूत करने के लिए गठित विभिन्न समितियों के पदाधिकारी भी बैठक में शामिल होंगे।

इंदौर संकेत प्रतिनिधि

भोपाल ● कांग्रेस अपने जमीनी संगठन को दुरुस्त कर राज्यों के साथ दिल्ली में वापसी की तैयारी में जुटी है। कांग्रेस का कमजोर बूथ मैनेजमेंट और निचले स्तर पर संगठन न होना चुनावों में हार की बड़ी वजह रहा है। अब कांग्रेस ने पंचायत और वार्ड स्तर पर एमपी में अपना संगठन तैयार कर रही है। पंचायत और वार्ड कांग्रेस की टीम का देश में पहला रिव्यू खुद राहुल गांधी करने जा रहे हैं। पंचायत और वार्ड कांग्रेस कमेटी के एक प्रकार से पायलेट प्रोजेक्ट की संभागीय समीक्षा बैठक राहुल गांधी अगले सितंबर के महीने में उज्जैन से करेंगे। तारीख राहुल गांधी की सहमति के बाद घोषित होगी।

सौ दिनों का वर्क प्लान होगा तैयार

उज्जैन में होने वाले संभागीय स्तरीय वार्ड एवं पंचायत कांग्रेस सम्मेलन में राहुल गांधी सौ दिनों के प्लान का रोडमैप सामने रखेंगे। अब पंचायत कांग्रेस और वार्ड कांग्रेस की भी निगरानी कनेक्ट सेंटर के जरिए खुद राहुल गांधी करेंगे। वार्ड और पंचायत स्तर पर सौ दिनों के रोडमैप के अनुसार कहां कितना काम हुआ पूरा डेटा डैशबोर्ड राहुल गांधी मॉनिटर करेंगे।

देव स्थान भी तिरंगे की लहर में नजर आए

स्वच्छ शहर में बदलेगा कचरा प्रबंधन : 100 किलो से ज्यादा गीला कचरा निकालने वालों को खुद ही करनी होगी व्यवस्था

इंदौर संकेत प्रतिनिधि

इंदौर ● शहर में कचरा प्रबंधन की व्यवस्था अब नए नियमों के तहत बड़े बदलाव की ओर बढ़ रही है। प्रतिदिन 100 किलो से अधिक गीला कचरा पैदा करने वाले व्यावसायिक प्रतिष्ठानों, संस्थानों और रहवासी समितियों को अब अपने कचरे के निपटान की व्यवस्था स्वयं करनी होगी। नगर निगम ऐसे कचरा उत्पादकों का सामान्य डोर-टू-डोर कचरा नहीं उठाएगा। इसके लिए उन्हें अधिकृत एजेंसी की मदद लेनी होगी या अपने परिसर में ही वेस्ट प्रोसेसिंग की व्यवस्था करनी होगी।

निगम सहयोगी की भूमिका में रहेगा

अपर आयुक्त प्रखर सिह ने बताया कि ऐसी एजेंसियों को आमंत्रित किया गया है, जो बड़े संस्थानों से कचरा लेकर अपने प्लांट में उसका निपटान कर सकें। साथ ही ऐसी कंपनियों को भी अवसर दिया जाएगा, जो संबंधित परिसरों में प्लांट स्थापित कर उसका संचालन करें। अब कितनी एजेंसियां इस व्यवस्था में रुचि दिखाती हैं, यह आने वाले समय में स्पष्ट होगा।

निगम पर घटेगा दबाव

नई व्यवस्था लागू होने के बाद नगर निगम के डोर-टू-डोर कचरा संग्रहण और उसके प्रसंस्करण का बोझ कम होगा। हालांकि पुराने आवासीय क्षेत्रों, जहां रहवासी समितियां या सोसायटियां नहीं हैं, वहां निगम की कचरा संग्रहण व्यवस्था जारी रहेगी।

अप्रैल से लागू हुए नए एवं जलवायु परिवर्तन मंत्रालय द्वारा अधिसूचित ठोस अपशिष्ट प्रबंधन नियम, 2026 देशभर में 1 अप्रैल 2026 से प्रभावी हो चुके हैं। इन नियमों के तहत बड़ी मात्रा में कचरा पैदा करने वाले संस्थानों की जिम्मेदारी तय की गई है। इंदौर नगर निगम अब इसी व्यवस्था को शहर में लागू करने की तैयारी कर रहा है।

कचरे का निपटान

100 किलो या उससे अधिक गीला कचरा प्रतिदिन पैदा करने वाले संस्थानों के सामने मुख्य रूप से दो विकल्प होंगे। वे किसी अधिकृत एजेंसी या वेंडर को कचरा सौंप सकते हैं। एजेंसी कचरे का संग्रहण कर उसका प्रसंस्करण और रिसाइक्लिंग करेगी, जिसके लिए संबंधित संस्था को सेवा शुल्क देना होगा। दूसरा विकल्प अपने परिसर में ही छोटा वेस्ट प्रोसेसिंग प्लांट स्थापित करना है। इसमें गीले कचरे से कंपोस्ट या अन्य उपयोगी उत्पाद तैयार किए जा सकते हैं। बड़े स्तर पर काम करने वाले संस्थान बायो-सीएनजी प्लांट भी स्थापित कर सकेंगे।

पुरस्कार प्राप्त शिक्षकों को अतिरिक्त वेतन वृद्धि दिए जाने का आदेश निरस्त

इंदौर संकेत प्रतिनिधि

भोपाल ● मप्र में अब राष्ट्रपति और राज्यपाल पुरस्कार प्राप्त शिक्षकों को अतिरिक्त वेतनवृद्धि का लाभ नहीं मिलेगा। इस संबंध में पूर्व में जारी हुए दो वेतन वृद्धि संबंधी आदेशों को निरस्त किया गया है। विभाग में शिक्षकों के बीच आपसी शिकवा शिकायतों को देखते हुए यह निर्णय लिया गया है।

29 जुलाई को स्कूल शिक्षा विभाग की उप सचिव मंजूषा विक्रात राय ने यह आदेश जारी किया था। प्रदेश में 2003 के दौरान राज्यपाल एवं राष्ट्रपति पुरस्कार प्राप्त शिक्षकों के लिए वेतन वृद्धि संबंधी व्यवस्था की थी। तभी से शिक्षक दो वेतन वृद्धि का लाभ लेते रहे हैं। 2008 में शिक्षकों के लिए पारी बाहर पदोन्नति के आदेश हुए थे, लेकिन उस समय के अतिरिक्त संचालक लोक शिक्षण केके पांडेय ने शासन को पत्र लिखा था कि बिना कैबिनेट निर्णय के शिक्षकों को आउट ऑफ टर्न प्रमोशन देना संभव नहीं हैं। तब 2011 में मंत्री परिषद की बैठक में निर्णय हुआ था कि राज्यपाल और राष्ट्रपति पुरस्कार प्राप्त शिक्षको को पारी बाहर पदोन्नति दी जाएगी। तब से 2015 तक शिक्षकों को यह लाभ मिला। इसके बाद प्रमोशन मामला कोर्ट में लंबित रहा। मौजदा वर्ष में यह चैनल खला है।

पुरस्कार पर उठते रहे सवाल

विभाग में लंबे समय से शिक्षकों पुरस्कार पर सवाल उठते रहे हैं। टीचर ही यह आरोप लगाते रहे कि जिन शिक्षकों ने कभी स्कूलों में पढ़ाया ही नहीं, दूसरी जगहों पर अटैच रहे। उन्हें भी राज्यपाल पुरस्कारों से नवाजा गया। आखिर विभाग इसका आधार बताये। हालांकि शिक्षकों की इस प्रकार की शिकायतों और आरोपों के बाद अब विभाग ने सख्त नियम बनाएं हैं। शिक्षकों की उपस्थिति से लेकर बच्चों के परीक्षाओं में उत्कृष्ट अंक लाने के प्रदर्शन को अब बेस बनाया गया है।

पार्षद ने दी धमकी

मेरे एरिया में गाड़ी आई तो आग लगा देंगे

इंदौर संकेत प्रतिनिधि

इंदौर ● इंदौर के शीतल नगर में खुले गड्ढे को बंद करने पहुंची अवंतिका गैस लिमिटेड की टीम के साथ मारपीट और धमकी देने का मामला सामने आया है। कंपनी ने आरोप लगाया है कि 14 अगस्त की रात मौके पर पहुंचे कर्मचारियों और श्रमिकों के साथ पार्षद बालमुकुंद सोनी और उनके कुछ साथियों ने मारपीट की। अवंतिका गैस ने आरोप लगाया कि मारपीट के दौरान टीम को क्षेत्र में दोबारा काम करने पर गंभीर परिणाम भुगतने की धमकी भी दी गई। कंपनी कर्मचारियोंको धमकी दी कि अगर आज के बाद अवंतिका गैस की गाड़ी मेरे एरिया में आई तो गाड़ी में आग लगा देंगे।' कंपनी का आरोप है कि इस धमकी के कारण कर्मचारियों में भय का माहौल है।

कंपनी का दावा है कि इस दौरान टीम के वाहन प्रभारी को जातिगत अपशब्द कहे गए और उनके साथ गंभीर मारपीट की गई। आरोप है कि गैस पाइप लाइन हादसे में पार्षद के खिलाफ केस दर्ज होने के बाद वे बौखला गए हैं और मारपीट पर उतर आए हैं। खास बात यह कि पुलिस ने बजाय नामजद के अज्ञात आरोपियों के खिलाफ केस दर्ज किया।

वाहन प्रभारी को पीटने का आरोप-कंपनी के मुताबिक टीम के मौके पर पहुंचते ही पार्षद और उनके कुछ साथियों ने कर्मचारियों और वहां मौजूद श्रमिकों के साथ मारपीट शुरू कर दी। इस दौरान वाहन प्रभारी के साथ कथित तौर पर जातिगत अपशब्दों का इस्तेमाल किया गया। कंपनी का कहना है कि मारपीट में वाहन प्रभारी को गंभीर चोटें आई हैं और वह फिलहाल ठीक से बोल पाने की स्थिति में भी नहीं हैं।

कंपनी बोली- 8 दिन से यहां कोई काम नहीं हो रहा था

अवंतिका गैस के अनुसार करीब आठ दिन पहले पार्षद बालमुकुंद सोनी ने गैस लाइन से संबंधित कंपनी का काम रुकवा दिया था। इसके बाद टीम ने उस स्थान पर कोई काम नहीं किया था। कंपनी का कहना है कि संबंधित गैस पाइपलाइन के काम के लिए उसके पास नगर निगम की वैध अनुमति भी है।

दो गैस नेटवर्क को जोड़ने का काम प्रस्तावित था

कंपनी के मुताबिक क्षेत्र में गैस नेटवर्क से जुड़े दो हिस्सों को आपस में जोड़ने का काम प्रस्तावित था। दोनों क्षेत्रों में गैस की मांग अधिक होने के कारण नेटवर्क को जोड़ने का उद्देश्य भविष्य में उपभोक्ताओं को निर्बाध गैस आपूर्ति उपलब्ध कराना था। कंपनी का कहना है कि 14 अगस्त की रात टीम केवल खुले गड्ढे को बंद करने के लिए मौके पर पहुंची थी।

शहरभर में धूमधाम व हर्षोल्लास से मनाया स्वतंत्रता दिवस

इंदौर प्रेस क्लब के पूर्व अध्यक्ष अरविंद तिवारी को पत्रकारिता के क्षेत्र में उल्लेखनीय योगदान के लिए इंदौर के महापौर पुष्यमित्र भार्गव द्वारा सम्मानित किया।

आज इंदौर शहर कांग्रेस मुख्यालय गांधी भवन, में 80वे स्वतंत्रता दिवस पर ध्वजारोहण कर देश की स्वतंत्रता के लिए अपने प्राणों की आहुति देने वाले स्वतंत्रता सेनानियों को नमन किया। इस दौरान शहर कांग्रेस अध्यक्ष चिंटू चौकसे जिला कांग्रेस अध्यक्ष विपिन वानखेड़े जी सहित बड़ी संख्या में कांग्रेस परिवारजन मौजूद रहे

हर क्षेत्र के श्रेष्ठ व्यक्तियों का सम्मान कर उन्हें प्रोत्साहित करना बहुत ही अनुकरणीय कार्य।

इंदौर मध्यप्रदेश बाल्मीकि कल्याण परिषद द्वारा आयोजित एक शाम देश के नाम का आयोजन स्थानीय इंदौर प्रेस क्लब के सभागृह में रखा गया। परिषद के अध्यक्ष मनोज मेहना, संयोजक पिंटू लश्करी ने बताया कि आयोजन में देशभक्ति गीतों पर सभागृह में उपस्थित दर्शकों का जोश देखते ही बनता था। विशेषकर हर्ष लोयत व कुमारी धारा के गीतों पर सभी झुम उठे। आयोजन में विभिन्न क्षेत्रों में कार्य करने वाले समाजसेवी, खिलाड़ी, शिक्षक, कर्मचारी, पत्रकार, एवं गायको का सम्मान किया गया।

मालवीय बलाई समाज धर्मशाला पर हुआ ध्वजारोहण

राष्ट्रीय पर्व के अवसर पर इंदौर के भिचौली हप्सी स्थित मालवीय बलाई समाज धर्मशाला पर हर्षोल्लास के साथ ध्वजारोहण किया गया। इस गरिमामयी कार्यक्रम में समाज के गणमान्य नागरिकों, पदाधिकारियों और क्षेत्रीय जनप्रतिनिधियों ने बढ़-चढ़कर अपनी उपस्थिति दर्ज कराई।

कलेक्टर ने कलेक्टर कार्यालय में किया ध्वजारोहण

इंदौर जिले में स्वतंत्रता दिवस पूर्ण उमंग और उल्लास के साथ मनाया गया। स्वतंत्रता दिवस के अवसर पर अशासकीय, शासकीय, सार्वजनिक भवनों और कार्यालयों में भी ध्वजारोहण किये गये। कलेक्टर कार्यालय में कलेक्टर शिवम वर्मा ने ध्वजारोहण किया। इस अवसर पर अपर कलेक्टर नवजीवन विजय पवार, रोशन राय सहित अन्य अधिकारी-कर्मचारी मौजूद थे।

स्वतंत्रता दिवस: शासकीय स्कूल के बच्चों को कराया गया विशेष मध्यान्ह भोजन

इंदौर संकेत प्रतिनिधि

इंदौर • जल संसाधन मंत्री तुलसीराम सिलावट आज स्वतंत्रता दिवस के मुख्य समारोह में शामिल होने के पश्चात वे शासकीय स्कूल किला मैदान के बच्चों के बीच पहुंचे। यहाँ उन्होंने बच्चों के साथ मध्यान्ह भोजन किया। इस अवसर पर उन्होंने विद्यार्थियों को बेग, कम्पास और अन्य पठन-पाठन सामग्री वितरित की।

इस अवसर पर कलेक्टर शिवम वर्मा, जिला पंचायत अध्यक्ष श्रीमती रीना सतीश मालवीय, नगर निगम आयुक्त क्षितिज सिंघल, अतिरिक्त पुलिस आयुक्त राजेश कुमार सिंह, जिला पंचायत के मुख्य कार्यपालन अधिकारी हिमांशु प्रजापति, अपर कलेक्टर नवजीवन विजय पवार, एमआईसी सदस्य नंदु पहाड़िया, जनपद अध्यक्ष कान्हा पटेल, पार्षद राहुल जायसवाल सहित अन्य अधिकारी भी विशेष रूप से मौजूद थे। बच्चों को आज स्वतंत्रता दिवस के अवसर पर मध्यान्ह भोजन में विशेष रूप से खीर, पूरी, लड्डू, छोले, पुलाव आदि परोसे गए। जल संसाधन मंत्री तुलसीराम सिलावट और कलेक्टर शिवम वर्मा ने बच्चों को स्वतंत्रता दिवस की शुभकामनाएं दी।

संभागायुक्त ने संभागायुक्त कार्यालय में किया ध्वजारोहण

इंदौर संभाग में स्वतंत्रता दिवस पूरे उत्साह, उमंग और उल्लास के साथ मनाया जा रहा है। स्वतंत्रता दिवस के अवसर पर अशासकीय, शासकीय, सार्वजनिक भवनों और कार्यालयों में भी ध्वजारोहण किये गये। संभागायुक्त भास्कर लक्षकार ने संभागायुक्त कार्यालय सहित इंदौर विकास प्राधिकरण कार्यालय का ध्वजारोहण किया। इस अवसर पर संभागीय अधिकारी सहित अन्य अधिकारी-कर्मचारी मौजूद रहे।

भाजपा कार्यालय पर हुआ ध्वजारोहण

देश के 80 वे स्वतंत्रता दिवस पर आज 15 अगस्त को सुबह भाजपा कार्यालय पंडित दीनदयाल उपाध्याय भवन जावरा कंपाउंड पर भाजपा नगर अध्यक्ष सुमित मिश्रा ने भाजपा प्रदेश उपाध्यक्ष शैलेन्द्र बरूआ, नगर प्रभारी राजेश सोलंकी, पूर्व महापौर कृष्णमुरारी मोघे, महापौर पुष्यमित्र भार्गव, विधायक गोलू शुक्ला, महेंद्र हार्डिया, मधु वर्मा, सुदर्शन गुप्ता, गोपीकृष्ण नेमा की उपस्थिति में ध्वजारोहण किया।

प्रदेश उपाध्यक्ष शैलेन्द्र बरूआ ने स्वतंत्रता दिवस की शुभकामनाएं देते हुए कहा कि क्रांतिकारियों के त्याग संघर्ष और बलिदान को याद करने और उनके आदर्शों पर चलकर भारत को श्रेष्ठ भारत बनाने के संकल्प का दिन है। देश के यशस्वी प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी भारत को विकसित भारत बनाने के संकल्प के लिए कार्य कर रहे हैं हम सब उनके संकल्प में सहभागी बनकर भारत को परम वैभव के शिखर पर ले जाने का काम करें। नगर अध्यक्ष सुमित मिश्रा ने सभी कार्यकर्ताओं और इंदौर नगरवासियों को स्वतंत्रता दिवस की शुभकामनाएं देते हुए कहा कि देश की आजादी के 79 वर्ष पूर्ण हुए, और वंदे मातरम के भी 150 वर्ष पूर्ण हुए हैं लेकिन स्वतंत्रता हमें ऐसे ही नहीं मिली है। स्वतंत्रता के लिए हमारे लाखों क्रांतिकारियों ने वंदे मातरम गीत गाकर अपना बलिदान दिया है। लेकिन अफ़सोस है कि इंदौर की इसी धरती पर कॉंग्रेस के दो पार्षदों ने वंदे मातरम गाने से इंकार कर दिया इससे भी बड़े शर्म की बात यह है कि कॉंग्रेस ने आज तक उन दोनों पार्षदों को बाहर नहीं किया।

स्वतंत्रता दिवस की 80वी वर्षगांठ पर गुलजार चौराहे पर झंडा वंदन हुआ

स्वतंत्रता दिवस 80 वी वर्षगांठ पर सैफी नगर स्थित गुलजार चौराहा पर शहीद मेजर हमजा की याद में झंडा वंदन किया गया। इस अवसर पर मुख्य रूप से उपस्थित इंदौर के प्रथम नागरिक महापौर पुष्यमित्र भार्गव ने मेजर हमजा को श्रद्धांजलि देते हुए देश के प्रति उनके किए गए कर्तव्य को याद किया। इस अवसर पर क्षेत्रीय पार्षद पति सादिक खान द्वारा की गई मांग पर महापौर ने इंदौर के किसी एक चौराहा या मार्ग का नाम शहीद मेजर हमजा के नाम पर करने की घोषणा भी की। इस अवसर पर मेजर हमजा के वालिद जनाब फखरुद्दीन आरिफ एवं महापौर पुष्यमित्र भार्गव ने झंडा वंदन किया। शहीद मेजर हमजा आरिफ के परिवारजन इस अवसर पर विशेष रूप से उपस्थित थे।

'राष्ट्रप्रेम से राष्ट्रसेवा' के संकल्प के साथ मनाया स्वतंत्रता दिवस

भारत के 80वें स्वतंत्रता दिवस के अवसर पर भारत विकास परिषद की सेवा शाखा एवं मालवा शाखा के संयुक्त तत्वावधान में उषानगर स्थित शिव मंदिर परिसर में गरिमामय एवं राष्ट्रभक्ति से ओतप्रोत स्वतंत्रता दिवस समारोह आयोजित किया गया। कार्यक्रम में भारत माता का पूजन, ध्वजारोहण, राष्ट्रगान एवं वंदे मातरम् के सामूहिक गायन के साथ देश की स्वतंत्रता के लिए अपना सर्वस्व न्योछावर करने वाले अमर शहीदों को श्रद्धापूर्वक नमन किया गया। कार्यक्रम में भारत विकास परिषद सेवा शाखा के अध्यक्ष राजकुमार जैन, मालवा शाखा के अध्यक्ष उमेश राठी, परिषद के क्षेत्रीय संयुक्त सचिव राजकुमार साबू, राष्ट्रीय संपर्क टोली के सदस्य मनीष बिसानी, वार्ड क्रमांक 71 की क्षेत्रीय पार्षद हरप्रीत कौर लूथरा, वरिष्ठ पत्रकार एवं नईदुनिया जबलपुर के संपादक उज्जवल शुक्ला, महालक्ष्मी मंदिर उषानगर के अध्यक्ष महेश तोतला तथा राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के विश्व विभाग से जुड़े एवं रामेश्वरम जिला टोली के सदस्य सुनील माहेश्वरी प्रमुख रूप से उपस्थित रहे। समारोह के दौरान मंच संचालन मालवा शाखा के समन्वयक वैभव माहेश्वरी ने किया। ध्वजारोहण के पश्चात उपस्थित सभी अतिथियों एवं नागरिकों ने सामूहिक रूप से राष्ट्रगान किया। राजेंद्र मंत्री ने वंदे मातरम् का सामूहिक गायन कराया, जिससे पूरा परिसर देशभक्ति के भाव से गूंज उठा।

शासकीय हाई स्कूल भिचौली हप्सी में ध्वजारोहण

स्वतंत्रता दिवस के पावन अवसर पर शासकीय हाई स्कूल भिचौली हप्सी, इंदौर में गरिमाममय तरीके से ध्वजारोहण समारोह संपन्न हुआ। इस कार्यक्रम में क्षेत्र के गणमान्य नागरिकों, जनप्रतिनिधियों और सामाजिक कार्यकर्ताओं ने उत्साहपूर्वक भाग लिया। समारोह के दौरान क्षेत्र के विद्यार्थियों को आधुनिक शिक्षा और तकनीक से जोड़ने तथा उनके उज्ज्वल भविष्य की दिशा में एक सार्थक कदम उठाते हुए विद्यालयों में कंप्यूटर का वितरण किया गया। इस पहल का उद्देश्य हमारे क्षेत्र के बच्चों को डिजिटल और आधुनिक शिक्षा से सशक्त बनाना है।

एकता संघ ने मनाया स्वतंत्रता दिवस

80वें भारतीय स्वतंत्रता दिवस के अवसर पर प्रतिभा विला, विदुर नगर मे संस्था एकता संघ द्वारा ध्वजारोहण किया गया। उक्त अवसर पर उपस्थित सदस्यों ने भाषण व देश भक्ति गीत सुनाए। कार्यक्रम का संचालन राजेंद्र सिंह झाला ने किया। इस दौरान राजेंद्र सिंह झाला, दीपक कावलकर, मुरलीधर राहुल मेटांगे, महेंद्र पंडित, प्रमोद थाटे, राहुल पाटीदार, योगेश गोफने, रवि वर्मा, चेतन खत्री, प्रेम वर्मा, विशाल गायकवाड़, भीमराव सरदार, प्रतिभा मेटांगे, माया झाला, मधु कावलकर, कीर्ति सिरोठिया, राधिका पाटीदार, नेहा वर्मा व बच्चों सहित अन्य लोग उपस्थित थे।

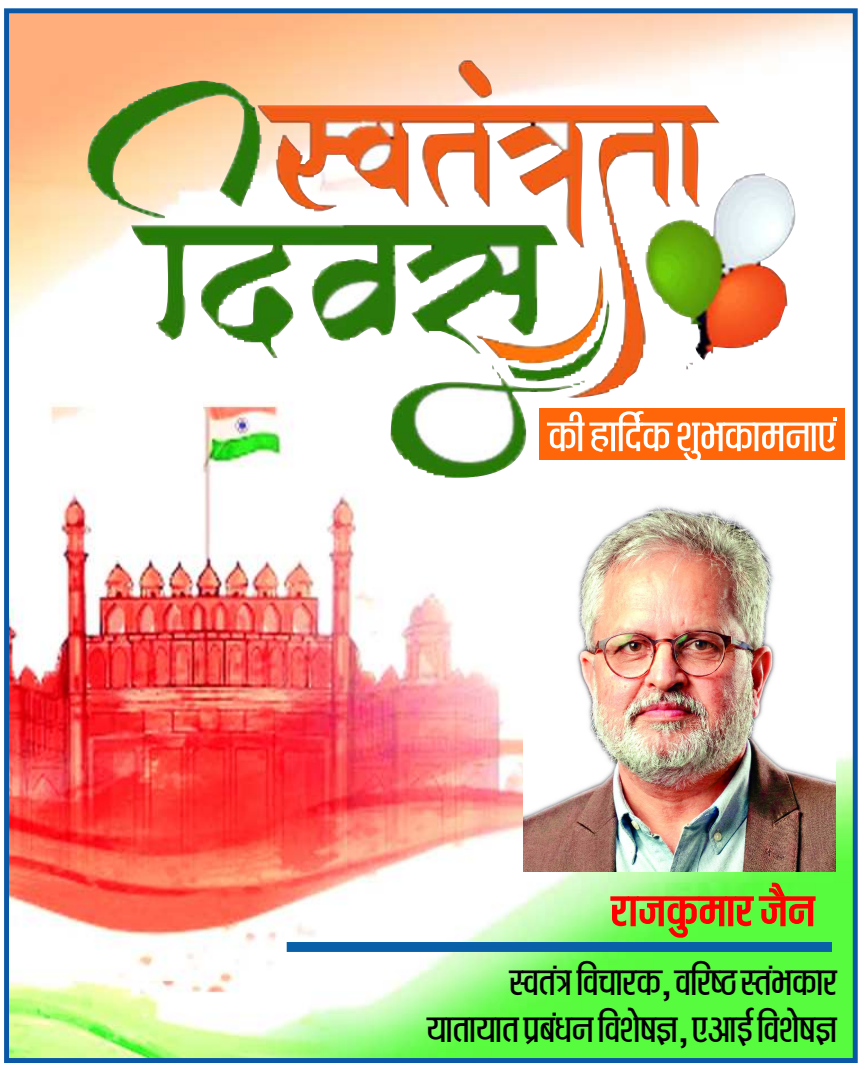

सांध्य दैनिक
इंदौर संकेत
इंदौर, रविवार 16 अगस्त 2026

प्रदेश में भारी वर्षा की चेतावनी, जबलपुर, रीवा-शहडोल संभाग में अगले 3 दिन अलर्ट

भोपाल (एजेंसी) • निम्न दाब क्षेत्र और मानसून टर्फ की वजह से प्रदेश के पूर्वी हिस्से में बारिश का स्ट्रॉन्ग सिस्टम एक्टिव हुआ है। इस वजह से जबलपुर, रीवा और शहडोल संभाग में अगले 3 दिन भारी बारिश की चेतावनी है। रविवार को जबलपुर, सागर, नरसिंहपुर, सिवनी, बालाघाट, मंडला, डिंडौरी, अनूपपुर, शहडोल, उमरिया, कटनी, पन्ना, रीवा, मऊगंज, सीधी और सिंगरौली के साथ रायसेन और नर्मदापुरम में भी तेज बारिश होगी। मौसम केंद्र की माने तो अगले 24 घंटे के दौरान इन जिलों में 4 इंच या इससे ज्यादा पानी गिर सकता है। वहीं, भोपाल, सीहोर, राजगढ़, विदिशा, इंदौर, धार, अलीराजपुर, बुरहानपुर, बड़वानी, खंडवा, खरगोन, झाबुआ, उज्जैन, नीमच, आगर-मालवा, मंदसौर, शाजापुर, देवास, रतलाम, बैतूल, हरदा, ग्वालियर, गुना, शिवपुरी, दतिया, अशोकनगर, मुरैना, भिंड, श्योपुर, छिंदवाड़ा, पांढुर्णा, सतना, मैहर, दमोह, छतरपुर, टीकमगढ़ और निवाड़ी में कहीं तेज तो कहीं हल्की बारिश जारी रहेगी।

भोपाल, ग्वालियर-चंबल में भी असर

मौसम विभाग के मुताबिक, मौजूदा सिस्टम का असर भोपाल, ग्वालियर और चंबल संभाग पर भी दिखाई देगा। 16, 17 और 18 अगस्त को यहां के कुछ जिलों में तेज बारिश का अलर्ट है।

प्रदेश में अब तक 21.4 इंच बारिश हुई

मौसम केंद्र की माने तो प्रदेश में अब तक 544.4 मिमी यानी, 21.4 इंच बारिश हो चुकी है। हालांकि, यह अब तक की सामान्य बारिश 24.4 इंच (618.8 मिमी) की तुलना में 3 इंच कम है। वहीं, ओवरऑल 12 प्रतिशत कम पानी गिरा है। पूर्वी हिस्से में 18% और पश्चिमी हिस्से में औसत से 6% बारिश कम हुई है। प्रदेश के पूर्वी हिस्से- जबलपुर, रीवा, सागर और शहडोल संभाग में 19% तक कम बारिश हुई है। बालाघाट, छतरपुर, छिंदवाड़ा, दमोह, डिंडौरी, जबलपुर, कटनी, मैहर, मंडला, मऊगंज, नरसिंहपुर, निवाड़ी, पांढुर्णा, पन्ना, रीवा, सागर, सतना, सिवनी, शहडोल, सीधी, सिंगरौली, टीकमगढ़ और उमरिया में 2% से 54% तक कम बारिश हुई है। पश्चिमी हिस्से के आगर-मालवा, आलीराजपुर, अशोकनगर, बैतूल, दतिया, धार, हरदा, इंदौर, झाबुआ, मुरैना, मंदसौर, नर्मदापुरम, नीमच, रायसेन, रतलाम, शाजापुर, श्योपुर, शिवपुरी, उज्जैन और विदिशा में औसत से 1% से 48% कम पानी गिरा है। मौसम विभाग की माने तो भोपाल, गुना, सीहोर, राजगढ़, ग्वालियर, अनूपपुर, भिंड, बुरहानपुर, देवास, बड़वानी, खंडवा और खरगोन में ही औसत से ज्यादा बारिश दर्ज की गई।

मौसम विभाग के अनुसार, जून में 14% कम बारिश हुई थी। जुलाई की शुरुआती दिनों में तेज बारिश होने से यह बढ़ गया। इसके बाद मानसून दो बार ब्रेक हुआ और कई दिन तक बारिश नहीं हुई। आखिरी सप्ताह में फिर से स्ट्रॉन्ग सिस्टम एक्टिव हो गया। बावजूद इसके 13 प्रतिशत कम बारिश हुई है। हालांकि, जुलाई का कोटा तो फुल हो गया, लेकिन जून की भरपाई नहीं हो पाई। ग्वालियर में 24 घंटे में साढ़े 8 इंच बारिश होने का रिकॉर्ड है, जो 10 अगस्त 1927 को बना था।

जबलपुर में 102 साल पहले गिरा था 44 इंच पानी

जबलपुर में एक महीने में 44 इंच बारिश का रिकॉर्ड है। 102 साल पहले यानी, वर्ष 1923 में अगस्त महीने में बारिश ने रिकॉर्ड तोड़ दिया था। इसी साल 20 अगस्त को 24 घंटे में ही 13 इंच बारिश हुई थी। यहां बादल फटने जैसी स्थिति बनी थी।

उज्जैन में अगस्त में जमकर होती है वर्षा

उज्जैन में साल 2006 में सर्वाधिक बारिश का रिकॉर्ड बना था। इस साल अगस्त महीने में करीब 35 इंच बारिश हुई थी। इसी साल 24 घंटे में सर्वाधिक 12 इंच बारिश का रिकॉर्ड 10 अगस्त को बना था। उज्जैन में अगस्त की औसत बारिश 10 इंच है। 10 से 11 दिन यहां बारिश होती है।

शहीदों का अनोखा मंदिर, वीर सपूतों को रोज मिलता है सम्मान

दैनिक इंदौर संकेत

उज्जैन • महाकाल की नगरी में आस्था के कई केंद्र हैं, लेकिन शिप्रा किनारे महाकाल मंदिर के पीछे नरसिंह घाट क्षेत्र में बना शहीदों का मंदिर अपनी अलग पहचान रखता है। यहां पूजा सिर्फ देवी-देवताओं की नहीं, बल्कि देश के लिए प्राण न्योछावर करने वाले वीर जवानों की भी होती है। मंदिर में करीब 41 वीर सपूतों और नारी शक्ति की प्रतिमाएं स्थापित हैं। इन्हें देखने और श्रद्धांजलि देने के लिए लोग रोज यहां पहुंचते हैं।

इस मंदिर की शुरुआत वर्ष 2008 में हुई थी। मंदिर निर्माण के पीछे पूर्व जज दान सिंह चौधरी की सोच और संकल्प था। वर्तमान में वे अपने परिवार के साथ भोपाल में रहते हैं। उनका मानना था कि देश के अमर शहीदों की प्रतिमाएं अक्सर शहरों के चौराहों पर स्थापित तो कर दी जाती हैं, लेकिन समय के साथ उनकी उपेक्षा होने लगती है। कई प्रतिमाएं धूल और गंदगी से ढकी रहती हैं और उनकी साफ-सफाई केवल राष्ट्रीय पर्वों या विशेष अवसरों पर ही हो पाती है। इसी विचार ने दान सिंह चौधरी को एक ऐसा स्थान बनाने की प्रेरणा दी, जहां देश के वीरों को हर दिन सम्मान मिले। उन्होंने अपनी सेवानिवृत्ति पर मिली राशि शहीदों के सम्मान में समर्पित कर दी। अलीराजपुर निवासी गुरु नरसिंहानंद महाराज की प्रेरणा से शुरू हुए इस प्रयास को आगे चलकर परमानंद महाराज ने आकार दिया। संकल्प था कि देश के लिए बलिदान देने वाले जवानों को केवल राष्ट्रीय पर्वों पर नहीं, बल्कि हर दिन याद किया जाए। इसी सोच ने छोटे स्तर पर शुरू हुई पहल को आज एक ऐसे मंदिर का रूप दे दिया है, जहां राष्ट्रभक्ति और श्रद्धा एक साथ दिखाई देती है।

बिजली उपभोक्ताओं की सेवा में सदैव तत्परता का आह्वान

65 कार्मिकों का उत्कृष्ट कार्य पर सम्मान

दैनिक इंदौर संकेत

इंदौर • मध्यप्रदेश पश्चिम क्षेत्र विद्युत वितरण कंपनी के पोलोग्राउंड स्थित मुख्यालय के नवीन सभागार परिसर में स्वतंत्रता दिवस उल्लासित माहौल में मनाया गया। मुख्य अतिथि प्रबंध निदेशक अनूप कुमार सिंह ने इस अवसर पर कार्मिकों से बिजली उपभोक्ता की सेवा के लिए सदैव तत्परता, सजगता, समर्पित भावना से कार्य करने का आह्वान किया। अनूप कुमार सिंह ने राजस्व संग्रहण, पीएम सूर्यघर मुफ्त बिजली योजना, चंबल अति उच्च दाब सब स्टेशन से 33 केवी फीडर की अंडरग्राउंड केबल कनेक्टिविटी, ई बस चार्जिंग स्टेशन के लिए नया फीडर तैयार करने में विशेष सहयोग, स्मार्ट मीटर परियोजना के कुशल संचालन, धरती आबा जनजातीय ग्राम उत्कर्ष अभियान में 20100 दूरस्थ मजरे फलिए को रोशन करने जैसे चुनौतीपूर्ण कार्य सफलतापूर्वक करने के लिए कार्मिकों की सराहना की। मुख्य महाप्रबंधक प्रकाश सिंह चौहान ने बताया कि स्वतंत्रता दिवस के मौके पर आयोजित कंपनी स्तर के समारोह में मप्र शासन, विद्युत कंपनी के कार्यों, अभियान में रूचि लेकर श्रेष्ठतम परिणाम लाने वाले 65 से ज्यादा कार्मिकों को करतल ध्वनि के साथ सम्मानित किया गया। स्वतंत्रता दिवस पर परिसर को फूलों सजाया गया था। राष्ट्रीय भावना को प्रकट करने वाला सेल्फी पाइंट भी बनाया गया था।? संचालन डॉ गरिमा अग्रवाल ने किया। आभार माना श्रीमती शीतल जैन ने।

बाबा गुटकेश्वर महादेव की परंपरागत शाही सवारी 24 अगस्त को, खजराना गणेश को दिया प्रथम न्योता

दैनिक इंदौर संकेत

इंदौर • श्री गुटकेश्वर धाम सद्गुरु परिवार न्यास द्वारा अंतिम सावन सोमवार को बाबा गुटकेश्वर महादेव की परंपरागत शाही सवारी 24 अगस्त को किला मैदान स्थित गुटकेश्वर महादेव मंदिर से निकाली जाएगी। इस बार सवारी गौमाता को राष्ट्रमाता घोषित करने के संकल्प को लेकर निकाली जाएगी। इस सवारी का प्रथम न्योता खजराना गणेश को संतों के पावन सानिध्य में दिया। आयोजन प्रमुख धीरज शुक्ला, चंद्रप्रकाश दुबे ने बताया कि बाबा गुटकेश्वर महादेव की शाही सवारी शाही लवाजमे के साथ 24 अगस्त को मंदिर परिसर से दोपहर 3 बजे निकलेगी।

पितरेश्वर हनुमान धाम पर फहराया 51 फीट ऊंचा तिरंगा, 15 हजार से अधिक भक्तों ने किए दर्शन*

दैनिक इंदौर संकेत

इंदौर • स्वतंत्रता दिवस के पावन अवसर पर पितृ पर्वत स्थित पितरेश्वर हनुमान धाम में देशभक्ति और श्रद्धा का अद्भुत संगम देखने को मिला। यहां 51 फीट ऊंचा राष्ट्रीय ध्वज पूरे विधि-विधान के साथ फहराया गया। जैसे ही तिरंगा लहराया, पूरा परिसर भारत माता की जय और वंदे मातरम् के नारों से गूंज उठा। पितरेश्वर धाम के प्रमुख न्यासी आकाश विजयवर्गीय,महेश दलोद्रा ने बताया कि हनुमान जी का वेद मंत्रों के बीच पूजन-अर्चन कर विशेष श्रृंगार किया। मोगरे के फूलों सहित विभिन्न किस्मों के फूलों से फूल बंगला सजाया।

पूरी निष्ठा एवं ईमानदारी से गौवंश की सेवा करें तो हमारा देश समृद्ध बन जाएगा - युगपुरुष स्वामी परमानंद गिरि

दैनिक इंदौर संकेत

इंदौर • पूरी निष्ठा और ईमानदारी से यदि गौवंश की सेवा की जाए तो वास्तव में हमारा देश समृद्ध बन जाएगा। भगवान कृष्ण ने बाल्यकाल में गौ सेवा का संकल्प लिया और हमेशा अपने बाल-ग्वालों के साथ गायों की सेवा की, वही सेवा का भाव हमारा भी होना चाहिए। अखंड परमधाम आश्रम पर गौशाला के विस्तार और आधुनिकीकरण की योजना में अधिक से अधिक लोग भागीदार बनेंगे तो यह हमारी संस्कृति के साथ राष्ट्र की भी बड़ी सेवा होगी। राष्ट्रहित में हमारा हित भी शामिल है। राम जन्म भूमि न्यास अयोध्या के न्यासी और युगपुरुष महामंडलेश्वर स्वामी परमानंद गिरि महाराज ने शुक्रवार को खंडवा रोड स्थित अखंड परम धाम आश्रम पर चल रहे 30वें ध्यान एवं योग शिविर में उपस्थित श्रद्धालुओं को आशीर्वचन देते हुए उक्त प्रेरक बातें कही।

इस अवसर पर बड़ी संख्या में देशभर से आए साधकों ने अखंड परमधाम पर पिछले वर्ष स्थापित गौशाला के विस्तार के लिए आर्थिक सहयोग देने के संकल्प भी व्यक्त किए। धर्मसभा में बिजासन रोड अखंड धाम इंदौर के महामंडलेश्वर डॉ. स्वामी चेतन स्वरुप, महामंडलेश्वर स्वामी ज्योतिर्मयानंद गिरि, साध्वी दिव्य चेतना, स्वामी परमात्मानंद, स्वामी चेतनानन्द, स्वामी भूमानंद, स्वामी आदित्य चेतना गिरि एवं स्वामी चैतन्य सिन्धु भी उपस्थित रहे। प्रारंभ में समाजसेवी सुरेश शाहरा, रामबाबू अग्रवाल, विष्णु बिंदल, गोविन्द भाई सोनेजा, राजेश ढींगरा, पारुल मंडोवरा, प्रवीण मित्तल (मुंबई) आदि ने युगपुरुष एवं अन्य संतों की अगवानी की।

उज्जैन संभाग

महाकाल मंदिर में स्वतंत्रता दिवस पर उमड़ा आस्था का सैलाब, 6.57 लाख श्रद्धालुओं ने किए दर्शन

दैनिक इंदौर संकेत

उज्जैन • स्वतंत्रता दिवस के अवसर पर 15 अगस्त को श्री महाकालेश्वर मंदिर में देशभर से आए 6,57,218 श्रद्धालुओं ने भगवान श्री महाकालेश्वर के दर्शन किए। श्रद्धालुओं ने प्रसाद के रूप में 122.165 क्विंटल लड्डू खरीदे, जिससे श्री महाकालेश्वर मंदिर प्रबंध समिति को 54 लाख 69 हजार 800 रुपये की आय प्राप्त हुई। वहीं, ऑनलाइन टिकट के माध्यम से 27,953 श्रद्धालुओं से 69 लाख 88 हजार 250 रुपये तथा काउंटर टिकट के माध्यम से 15,200 श्रद्धालुओं से 38 लाख रुपये की राशि प्राप्त हुई। इस प्रकार ऑनलाइन एवं काउंटर टिकट से मंदिर समिति को कुल 1 करोड़ 7 लाख 88 हजार 250 रुपये की आय हुई।श्रद्धालुओं की बड़ी संख्या को देखते हुए मंदिर प्रबंध समिति द्वारा सुगम दर्शन, भीड़ प्रबंधन और अन्य आवश्यक व्यवस्थाओं पर विशेष ध्यान दिया गया। समिति द्वारा श्रद्धालुओं की सुविधा एवं बेहतर दर्शन व्यवस्था सुनिश्चित करने के लिए आवश्यक व्यवस्थाएं निरंतर की जा रही हैं।

स्फटिक शिवलिंग पर पहली बार अतिरुद्र महाभिषेक

दैनिक इंदौर संकेत

उज्जैन • भैरवगढ़ रोड स्थित मां बगलामुखी धाम मंदिर परिसर में श्रावण मास के अवसर पर 11 दिवसीय अतिरुद्र महाभिषेक अनुष्ठान किया जा रहा है। विश्वकल्याण और जनकल्याण की कामना से आयोजित इस अनुष्ठान में भर्तृहरि गुफा के गादीपति योगी पीर महंत रामनाथ महाराज के सानिध्य में 101 ब्राह्मण वैदिक मंत्रोच्चार के साथ महाभिषेक कर रहे हैं।प्रतिदिन सुबह 9 बजे से शाम 5 बजे तक मंदिर परिसर में स्फटिक के शिवलिंग पर अतिरुद्र महाभिषेक किया जा रहा है। अनुष्ठान के दौरान श्री रुद्र पाठ के साथ

नमक-चमकात्मक करीब 1500 पाठों की आवृत्ति की जा रही है। इसका समापन 24 अगस्त को होगा। मंदिर परिसर में स्थापित मध्य प्रदेश के सबसे बड़े स्फटिक शिवलिंग पर पहली बार अतिरुद्र महाभिषेक किया जा रहा है। इस विशेष धार्मिक अनुष्ठान को देखने और मां बगलामुखी के दर्शन के लिए बड़ी संख्या में श्रद्धालु मंदिर पहुंच रहे हैं।

बारिश में वायरल फीवर बढ़ा, प्लेटलेट्स गिरें तो तुरंत कराएं जांच

दैनिक इंदौर संकेत

उज्जैन • बारिश के साथ शहर में वायरल फीवर के मरीजों की संख्या तेजी से बढ़ने लगी है। अस्पतालों में तेज बुखार, शरीर दर्द और सर्दी-खांसी की शिकायत लेकर बड़ी संख्या में मरीज पहुंच रहे हैं। सामान्य वायरल के साथ डेंगू और मलेरिया के मामले भी सामने आ रहे हैं। बदलते मौसम में बढ़ती बीमारियों को देखते हुए वरिष्ठ चिकित्सक डॉ. जयवर्धन वर्मा एमडी मेडिसिन ने लोगों को विशेष सावधानी बरतने की सलाह दी है। डॉ. वर्मा ने बताया वायरल संक्रमण में कई बार प्लेटलेट्स तेजी से कम होने लगते हैं। डेंगू में प्लेटलेट्स गिरने की स्थिति गंभीर हो सकती है। इसलिए बुखार के दौरान प्लेटलेट्स कम आने पर डॉक्टर की सलाह लेना जरूरी है। जरूरत के अनुसार सीबीसी जांच कराकर मरीज की स्थिति पर नजर रखना चाहिए।

शिप्रा तट पर विकसित होगा नमो घाट, 182 फीट ऊंची भगवान कृष्ण की कांस्य प्रतिमा लगेगी

दैनिक इंदौर संकेत

उज्जैन • प्रदेश सरकार वाराणसी की तर्ज पर उज्जैन में शिप्रा तट पर नमो घाट बनाने जा रही है। यहां 182 फीट ऊंची भगवान कृष्ण की कांस्य प्रतिमा लगाई जाएगी। इसके बाद यहीं हर शाम शिप्रा आरती की जाएगी। उज्जैन विकास प्राधिकरण (यूडीए) इसकी तैयारी शुरू कर दी है। प्राधिकरण का दावा है कि अगले दो साल में घाट और भगवान की प्रतिमा तैयार हो जाएगी। उज्जैन विकास प्राधिकरण (यूडीए) के अनुसार, प्रतिमा का निर्माण हरिफाटक बायपास स्थित यूनिटी मॉल के पीछे क्षिप्रा नदी के किनारे प्रस्तावित है। इसके साथ घाटों का विकास भी किया जाएगा, ताकि क्षेत्र को धार्मिक, सांस्कृतिक और पर्यटन गतिविधियों के केंद्र के रूप में विकसित किया जा सके।

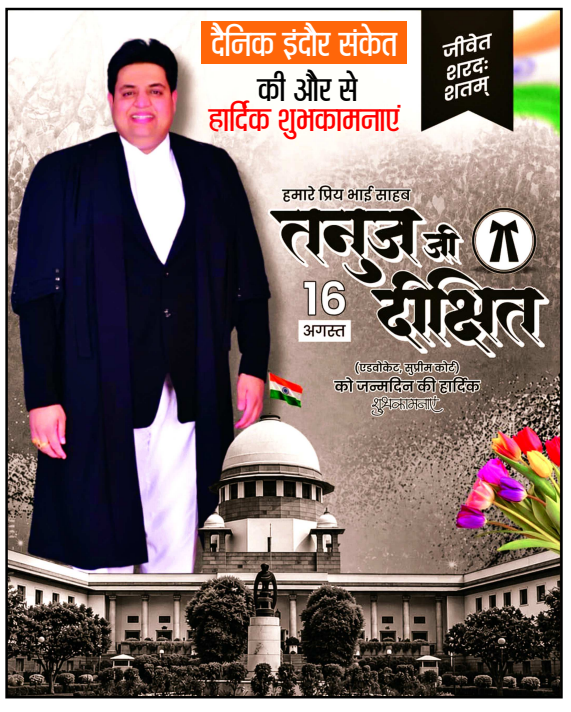

महाकाल गर्भगृह में एंट्री के नाम पर फर्जी पत्र, संतों को प्रवेश दिलाने पर लेटर हेड का इस्तेमाल

दैनिक इंदौर संकेत

उज्जैन • श्री महाकालेश्वर मंदिर के गर्भगृह में प्रवेश के लिए साधु-संतों के नाम से फर्जी पत्र जारी करने का मामला सामने आया है। पंचदशनाम जूना अखाड़े के संरक्षक हरिगिरि महाराज के नाम से नकली हस्ताक्षर और सील लगाकर चार संतों के लिए स्पर्श दर्शन और जल अर्पण की अनुमति मांगी गई। मामले की जानकारी सामने आने के बाद जूना अखाड़े के अंतरराष्ट्रीय अध्यक्ष मोहन भारती ने महाकाल थाने में शिकायत दर्ज कराई है। महाकाल मंदिर में भस्म आरती, शीघ्र दर्शन और होटल में ठहरने के नाम पर फर्जीवाड़े के मामले पहले भी सामने आ चुके हैं। गर्भगृह में प्रवेश के लिए अखाड़े के नाम और संत के फर्जी हस्ताक्षर वाले पत्र का यह पहला मामला बताया जा रहा है। 11 अगस्त को महाकाल मंदिर समिति के पास एक पत्र पहुंचा। यह पत्र अखाड़े के संरक्षक हरिगिरि महाराज के नाम से जारी किया गया था और उस पर उनके फर्जी हस्ताक्षर किए गए थे। पत्र में जूना अखाड़े से जुड़े चार संतों के 11 अगस्त को पहुंचने का उल्लेख करते हुए मंदिर प्रशासन से उनके लिए महाकाल के स्पर्श दर्शन और जल अर्पण की व्यवस्था करने का अनुरोध किया गया था।

सम्पादकीय

।। उपहार की तलाश करें ।।

ईश्वर जब आपको कोई उपहार भेजना चाहता है, तो वह इसे समस्या में लपेटकर भेजता है। ईश्वर आपको जितना बड़ा उपहार भेजना चाहता है, वह उसे उतनी ही बड़ी समस्या में लपेटता है।'

समस्या पर ध्यान केंद्रित करने के बजाय उपहार की तलाश करें। आश्चर्यजनक बात यह है कि यह आपको हमेशा मिलेगा। यही नहीं, कई बार तो उपहार या मूल्यवान सबक़ समस्या की तुलना में बहुत ज़्यादा मूल्यवान हो सकता है। कई बार, किसी समस्या से निबटते समय सीखा गया एक छोटा सा सबक़ भी आपकी दीर्घकालीन सफलता की कुंजी हो सकता है। हर समस्या या बाधा के भीतर समान या अधिक बड़े अवसर या लाभ का बीज छिपा होता है। आपका काम तो सिर्फ़ इसे खोजना है।

विपत्ति आने पर हमेशा यह कल्पना करें कि आप एक शक्तिशाली और संकल्पवान व्यक्ति हैं। 'वह लोहे के खूँटे की तरह बर्फ़ीली ज़मीन में अटल खड़ा रहा। 'जब भी आपके सामने किसी तरह की मुश्किल या समस्या आए, तो आपका वर्णन भी ऐसा ही होना चाहिए। 'बर्फ़ीली ज़मीन में लोहे के खूँटे की तरह अटल बनने का संकल्प करें।' धन्यवाद

सतीश शर्मा

प्रधान मंत्री का लालकिले से 'विकसित भारत' का संकल्प

ऐतिहासिक लालकिले की प्राचीर केवल पत्थरों की एक संरचना नहीं है, बल्कि यह स्वतंत्र भारत के उतार-चढ़ाव, उसकी आकांक्षाओं, उसकी नियति और उसके सामूहिक संकल्पों की मूक गवाह रही है। हर वर्ष 15 अगस्त को इस प्राचीर से देश के प्रधानमंत्री जब राष्ट्र को संबोधित करते हैं, तो वह केवल एक औपचारिक भाषण नहीं होता, बल्कि वह आने वाले समय के लिए देश का नीतिगत और वैचारिक रोडमैप होता है। स्वतंत्रता दिवस के पावन अवसर पर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने इसी ऐतिहासिक प्राचीर से वर्ष 2047 तक भारत को एक 'विकसित राष्ट्र' बनाने का जो अटूट संकल्प दोहराया है, वह देश की समकालीन राजनीति, अर्थव्यवस्था और समाज के लिए एक युगांतकारी मोड़ है। 'विकसित भारत' का यह विजन महज़ एक राजनीतिक नारा नहीं है, बल्कि यह 140 करोड़ नागरिकों की सामूहिक चेतना को जगाने और उन्हें राष्ट्र निर्माण के एक महायज्ञ में आहुति देने के लिए प्रेरित करने वाला एक व्यापक राष्ट्रीय दर्शन है। जब हम इस विराट संकल्प की बात करते हैं, तो हमें इसके ऐतिहासिक संदर्भ और प्रासंगिकता को गहराई से समझना होगा। भारत ने लगभग दो सदियों तक औपनिवेशिक दासता और आर्थिक शोषण का दंश झेला है। 1947 में जब देश स्वतंत्र हुआ, तब हमारी अर्थव्यवस्था जर्जर थी, साक्षरता दर दयनीय थी और अकाल तथा गरीबी जैसी बुनियादी चुनौतियां हमारे सामने थीं। शुरुआती दशकों में भारत का मुख्य ध्यान आत्मनिर्भरता और बुनियादी अस्तित्व की रक्षा पर था। हमने खाद्यान्न संकट से निपटने के लिए हरित क्रांति की, अपनी सीमाओं की रक्षा के लिए सैन्य तंत्र को मजबूत किया और धीरे-धीरे एक ठोस औद्योगिक आधार तैयार किया। आज, स्वतंत्रता के इस दौर में, भारत उस स्थिति से बहुत आगे निकल चुका है और अब हम केवल एक अस्तित्व बनाए रखने वाले देश नहीं हैं, बल्कि हम वैश्विक पटल पर एक नई दिशा तय करने वाले राष्ट्र बन चुके हैं। यह संकल्प इस बात का प्रतीक है कि अब भारत अपनी विकासशील छवि के खोल को तोड़कर वैश्विक शक्तियों की अग्रिम पंक्ति में खड़े होने के लिए पूरी तरह तैयार है। 2047 का वर्ष इसलिए महत्वपूर्ण है क्योंकि यह हमारी स्वतंत्रता का शताब्दी वर्ष होगा, और कोई भी राष्ट्र अपनी स्वतंत्रता के 100 वर्ष पूरे होने पर दुनिया के सामने अपनी सफलता का क्या प्रमाण प्रस्तुत करता है, यही उसका वास्तविक ऐतिहासिक मूल्यांकन होता है।

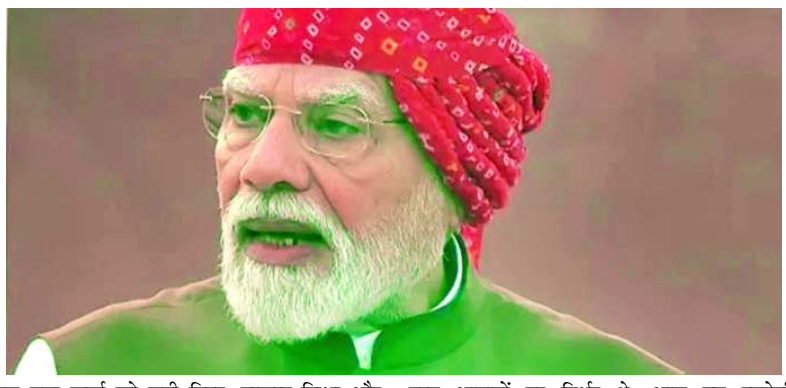

इस व्यापक संकल्प को धरातल पर उतारने के लिए देश के चार प्रमुख वर्गों को विकास का मुख्य केंद्र बिंदु बनाया गया है, जिन्हें युवा, महिला, किसान और गरीब के रूप में रेखांकित किया गया है। इन चारों स्तंभों के समग्र सशक्तिकरण के बिना किसी भी विकसित समाज की कल्पना नहीं की जा सकती। भारत आज दुनिया का सबसे युवा देश है और हमारी जनसांख्यिकीय लाभांश हमारी सबसे बड़ी ताकत है। विकसित भारत का सपना तभी सच हो सकता है जब

इस युवा ऊर्जा को सही दिशा, उत्कृष्ट शिक्षा और वैश्विक स्तर का कौशल मिले। देश में स्टार्टअप इकोसिस्टम का तेजी से विस्तार और राष्ट्रीय शिक्षा नीति के माध्यम से शिक्षा को रोजगारोन्मुख बनाना इसी दिशा में उठाए गए बड़े कदम हैं। इसके साथ ही, विकसित भारत का दूसरा अनिवार्य पहलू महिलाओं का सशक्तिकरण और उनके नेतृत्व में होने वाला विकास है। जब तक देश की आधी आबादी आर्थिक, सामाजिक और राजनीतिक रूप से पूरी तरह सक्रिय नहीं होगी, तब तक विकास की रफ्तार अधूरी रहेगी। सेनाओं में महिलाओं की भागीदारी से लेकर ग्रामीण क्षेत्रों में आर्थिक रूप से आत्मनिर्भर होती महिलाओं की बढ़ती संख्या इस बात का प्रमाण है कि वे अब नीति निर्धारण के केंद्र में आ रही हैं। इसी तरह, भारत की आत्मा आज भी गांवों में बसती है और हमारी अर्थव्यवस्था की रीढ़ कृषि है। विकसित भारत के लक्ष्य को हासिल करने के लिए कृषि क्षेत्र में तकनीकी सुधार, आधुनिक खेती को बढ़ावा और वैश्विक कृषि आपूर्ति श्रृंखला में भारत की हिस्सेदारी बढ़ाना आवश्यक है। किसान जब पारंपरिक खेती से आगे बढ़कर आधुनिक कृषि-उद्यमी बनेगा, तभी ग्रामीण भारत समृद्ध होगा। अंत में, अंत्योदय की भावना के अनुरूप समाज के अंतिम पायदान पर खड़े व्यक्ति तक विकास का लाभ पहुंचना चाहिए, क्योंकि किसी भी राष्ट्र को तब तक विकसित नहीं कहा जा सकता जब तक कि बहुआयामी गरीबी का पूरी तरह उन्मूलन न हो जाए और हर नागरिक को सम्मानजनक जीवन स्तर न मिल जाए।

आर्थिक मोर्चे पर, भारत आज दुनिया की सबसे तेज गति से बढ़ती बड़ी अर्थव्यवस्थाओं में शामिल है और शीर्ष वैश्विक अर्थव्यवस्थाओं की ओर अग्रसर है। लेकिन विकसित देश बनने के लिए हमें केवल सकल घरेलू उत्पाद के आकार को ही नहीं बढ़ाना है, बल्कि प्रति व्यक्ति आय और नागरिकों के जीवन की गुणवत्ता में भी गुणात्मक सुधार करना होगा। इसके लिए विनिर्माण और आत्मनिर्भरता पर विशेष बल देना आवश्यक है। 'मेक इन इंडिया' अभियान के तहत भारत आज मोबाइल मैन्युफैक्चरिंग, रक्षा उत्पादन और इलेक्ट्रॉनिक्स के क्षेत्र में एक वैश्विक केंद्र के रूप में उभर रहा है। रक्षा क्षेत्र में, जहां कभी हम पूरी तरह आयातों पर निर्भर थे, आज हम स्वदेशी अत्याधुनिक सैन्य उपकरणों का निर्माण कर रहे हैं और उनका निर्यात भी बढ़ा रहे हैं। भारतीय कॉर्पोरेट जगत को अब वैश्विक कंपनियों की तर्ज पर अपनी क्षमता का विस्तार करना होगा ताकि भारतीय ब्रांड दुनिया भर के बाजारों में अग्रणी भूमिका निभा सकें। इसके साथ ही, देश के बुनियादी ढांचे का कायाकल्प किया जा रहा है। आधुनिक रेलवे, एक्सप्रेसवे का विस्तृत नेटवर्क, जलमार्गों का विकास और हवाई अड्डों का आधुनिकीकरण देश की लॉजिस्टिक्स लागत को कम करने और व्यापार को सुगम बनाने के लिए अत्यंत महत्वपूर्ण हैं। एक मजबूत और आधुनिक बुनियादी ढांचा ही विकसित भारत की ठोस नींव बनेगा, जो देश के औद्योगिक विकास को नई गति प्रदान करेगा।

तकनीक और नवाचार के इस युग में जो देश अग्रणी रहेगा, वही दुनिया के भविष्य को दिशा देगा। भारत ने डिजिटल क्षेत्र में जो क्रांति की है, उसने दुनिया के विकसित देशों को भी अचंभित किया है। हमारा डिजिटल पब्लिक इंफ्रास्ट्रक्चर और डिजिटल लेनदेन की व्यवस्था आज वैश्विक स्तर पर एक मिसाल बन चुकी है। भारत ने यह सिद्ध कर दिया है कि वह केवल तकनीक का उपभोक्ता नहीं है, बल्कि वह विश्व को सस्ती, सुरक्षित और समावेशी तकनीक देने वाला प्रदाता भी है। विज्ञान और अनुसंधान के क्षेत्र में बढ़ता निवेश इस विजन को और स्पष्ट करता है। आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस, सेमीकंडक्टर मिशन, क्वांटम कंप्यूटिंग, अंतरिक्ष अनुसंधान और ग्रीन हाइड्रोजन के क्षेत्र में भारत का बढ़ता कदम यह दर्शाता है कि हम भविष्य की तकनीकों के मामले में दुनिया के अग्रणी देशों के साथ कंधे से कंधा मिलाकर चल रहे हैं। तकनीकी रूप से आत्मनिर्भर और संप्रभु होना विकसित भारत की एक अनिवार्य शर्त है, जो हमें वैश्विक मंच पर एक अद्वितीय पहचान दिलाएगी।

संकल्प जितना विराट होता है, उसकी राह की चुनौतियां भी उतनी ही कठिन होती हैं। विकसित भारत के मार्ग में कई आंतरिक और बाह्य चुनौतियां हैं, जिन्हें नजरअंदाज नहीं किया जा सकता। देश की आर्थिक प्रगति के साथ-साथ क्षेत्रीय और सामाजिक असमानता को पाटना एक बड़ी चुनौती है। विकास का लाभ समाज के हर वर्ग और देश के हर कोने तक समान रूप से पहुंचना चाहिए। इसके अलावा, भारत को पर्यावरण संरक्षण और आर्थिक विकास के बीच एक कुशल संतुलन बनाना होगा। जलवायु परिवर्तन के खतरों को देखते हुए नवीकरणीय ऊर्जा को अपनाना और सतत विकास के लक्ष्यों को प्राप्त करना युद्धस्तर पर आवश्यक है। प्रशासनिक स्तर पर, हमारी व्यवस्था को अधिक पारदर्शी, जवाबदेह और नागरिक-अनुकूल बनना होगा, क्योंकि लालफीताशाही और भ्रष्टाचार विकास की गति को धीमा करते हैं। वैश्विक मोर्चे पर, वर्तमान समय की भू-राजनीतिक अस्थिरता और आर्थिक व्यवधान भी हमारे सामने चुनौतियां खड़ी करते हैं, जिनसे निपटने के लिए भारत को अपनी कूटनीतिक कुशलता और आंतरिक आर्थिक सुदृढ़ता को निरंतर मजबूत बनाए रखना होगा। इस पूरे महायज्ञ में सबसे महत्वपूर्ण भूमिका देश के नागरिकों की है। कोई भी देश केवल सरकार की नीतियों, बजट या घोषणाओं से विकसित नहीं बनता। सरकार मार्ग प्रशस्त कर सकती है, बुनियादी ढांचा दे सकती है, लेकिन उस पर चलकर देश को आगे ले जाने का काम नागरिकों के सामूहिक प्रयासों से ही संभव होता है। विकसित भारत का संकल्प तब तक अधूरा है जब तक देश का हर नागरिक अपने कर्तव्यों के प्रति पूरी तरह सजग नहीं होता। चाहे वह करों का ईमानदारी से भुगतान करना हो, सार्वजनिक संपत्ति की रक्षा करना हो, पर्यावरण को बचाना हो, या फिर अपने-अपने कार्यक्षेत्र में पूर्ण ईमानदारी और उत्कृष्टता के साथ योगदान देना हो—ये सभी नागरिक प्रयास मिलकर एक विशाल राष्ट्रीय शक्ति का निर्माण करते हैं। जब देश के नागरिक 'राष्ट्र प्रथम' की भावना को अपने जीवन का मूल मंत्र बना लेंगे, तो भारत की प्रगति को कोई रोक नहीं पाएगा।

निष्कर्षतः विकसित भारत का संकल्प केवल आर्थिक आंकड़ों या ऊंची इमारतों तक सीमित नहीं है। इसका वास्तविक अर्थ एक ऐसे भारत का निर्माण करना है जो आर्थिक रूप से समृद्ध हो, तकनीकी रूप से अग्रणी हो, सामाजिक रूप से समरस और न्यायपूर्ण हो, और सांस्कृतिक रूप से अपनी समृद्ध जड़ों से जुड़ा हुआ हो। यह एक ऐसे भारत का सपना है जहां हर नागरिक को समान अवसर, उत्कृष्ट शिक्षा और स्वास्थ्य सुरक्षा मिले। लालकिले की प्राचीर से गूंजा यह संकल्प देश के लिए एक महान आह्वान है। आने वाले दो दशक भारत के इतिहास के सबसे महत्वपूर्ण वर्ष होने जा रहे हैं। यदि हम सब मिलकर पूरी निष्ठा और राष्ट्रीय गौरव की भावना के साथ इस संकल्प के प्रति समर्पित हो जाएं, तो निश्चित रूप से वर्ष 2047 में जब भारत अपनी स्वतंत्रता की शताब्दी मना रहा होगा, तब वह विश्व पटल पर एक परम वैभवशाली, समर्थ और विकसित राष्ट्र के रूप में स्थापित होगा।

अशोक भाटिया,
वरिष्ठ स्वतंत्र पत्रकार,
लेखक, समीक्षक एवं टिप्पणीकार

आंचलिक

कुक्षी पुलिस की बड़ी सफलता

फर्जी बैंक खाते का हुआ खुलासा

सायबर ठगी के शिकार व्यापारी के 2.59 लाख कराए वापस

अजय नलवाया (7879800048)

धार ● दैनिक इंदौर संकेत

कुक्षी के एक व्यापारी को सोशल मीडिया के माध्यम से जूड़ियो फ्रेंचाइजी दिलाने एवं शोरूम खोलने का झांसा देकर साइबर ठगों द्वारा 2,59,600/- की राशि फर्जी बैंक खाते में ट्रांसफर करवा ली गई थी। ठगी की शिकायत NCRP शिकायत क्रमांक 22106260026750 के माध्यम से प्राप्त हुई। सायबर ठगों द्वारा टाटा इंटरप्राइजेस के नाम से पंजाब नेशनल बैंक, गुवाहाटी (असम) में फर्जी नाम-पते से बैंक खाता खुलवाकर उक्त राशि उसमें ट्रांसफर करवाई गई थी।

पुलिस कार्यवाही

वरिष्ठ अधिकारियों के निर्देशन एवं मार्गदर्शन एवं एसडीओपी कुक्षी सुनील गुप्ता के नेतृत्व में थाना प्रभारी कुक्षी निरीक्षक दीपकसिंह चौहान द्वारा प्रकरण में तत्काल कार्रवाई हेतु विशेष टीम

को सक्रिय किया गया।

सहायक उपनिरीक्षक चंचलसिंह चौहान द्वारा बैंकिंग चैनल एवं तकनीकी जानकारी के आधार पर ठगी गई राशि को ट्रेस किया गया। संबंधित बैंक एवं वित्तीय संस्थानों से समन्वय स्थापित कर साइबर ठगी में प्रयुक्त बैंक खातों की जानकारी प्राप्त की गई तथा खातों को डेबिट फ्रीज/होल्ड कराया गया।

पुलिस की त्वरित कार्रवाई के परिणामस्वरूप 2,59,600/- की संपूर्ण ठगी गई राशि होल्ड/रिकवर कराकर शिकायतकर्ता के बैंक खाते में वापस ट्रांसफर कराई गई।

राशि वापस मिलने पर शिकायतकर्ता द्वारा कुक्षी पुलिस की त्वरित कार्रवाई एवं सहयोग के लिए पुलिस का आभार व्यक्त किया गया।

सायबर सुरक्षा अपील

धार पुलिस आमजन से अपील करती है कि सोशल मीडिया अथवा अन्य ऑनलाइन माध्यमों से मिलने वाले फ्रेंचाइजी, निवेश, नौकरी या अन्य लाभ के झांसे में आकर किसी अनजान व्यक्ति अथवा खाते में राशि ट्रांसफर न करें। साइबर ठगी होने पर तत्काल अपने बैंक को सूचना दें एवं साइबर हेल्पलाइन 1930 पर शिकायत दर्ज कराएं। शिकायत में देरी न करने से ठगी गई राशि को समय रहते होल्ड/रिकवर कराने की संभावना बढ़ जाती है।

सराहनीय कार्य

निरीक्षक दीपकसिंह चौहान, सहायक उपनिरीक्षक चंचलसिंह चौहान, आरक्षक विपिन यादव, अर्जुन डावर एवं महेन्द्र चौहान का विशेष योगदान रहा।

नर्मदा तट पर बनेगा सर्वसुविधायुक्त घाट

दैनिक इंदौर संकेत

मनावर ● मनावर के पास गांगुली गांव में नर्मदा नदी तट पर एक सर्वसुविधायुक्त घाट बनाया जाएगा। इस प्रोजेक्ट को जन सहयोग से पूरा करने के लिए 17 से ज्यादा गांवों के लोगों ने शनिवार को साततलाई के तेजाजी मंदिर में बैठक की।

बैठक में सिंघाना, करोंदिया, झापड़ी, अंजदीकोट, देवगढ़, मनावर, सिरसी, निसरपुर, साततलाई और गांगुली समेत कई गांवों के लोग शामिल हुए। भागवत आचार्य पंडित प्रवीण शर्मा ने सभी नर्मदा भक्तों से एकजुट होकर इस नेक काम में मदद करने का आह्वान किया, ताकि घाट को सुंदर और सुविधाजनक बनाया जा सके। गांगुली नर्मदा तट पर इस घाट का निर्माण करीब 1 करोड़ रुपए से अधिक की अनुमानित लागत से किया जाएगा।

ओंकारेश्वर रोड स्टेशन पर इलेक्ट्रिफिकेशन काम पूरा, विद्युत लोको का सफल ट्रायल हुआ

दैनिक इंदौर संकेत

खंडवा ● पश्चिम रेलवे के रतलाम मंडल अंतर्गत इंदौर-खंडवा आमान परिवर्तन (गेज कन्वर्जन) परियोजना के तहत ओंकारेश्वर रोड रेलवे स्टेशन पर इलेक्ट्रिफिकेशन का कार्य सफलता पूर्वक पूर्ण हो गया है। शुक्रवार शाम को स्टेशन पर विद्युत लोकोमोटिव (इंजन) चलाकर इसका सफल परीक्षण किया गया, जो इस रूट पर आधुनिक रेल संचालन की दिशा में एक बड़ा कदम है।

विद्युत लोको का हुआ सफल परीक्षण

पश्चिम रेलवे के जनसंपर्क अधिकारी मुकेश कुमार ने बताया कि परियोजना के तहत ओंकारेश्वर रोड स्टेशन पर विद्युतीकरण से जुड़े सभी तकनीकी कार्य पूरे कर लिए गए हैं। इसके बाद विद्युत आपूर्ति और रेल अधोसंरचना की क्षमता जांचने के लिए विद्युत लोको चलाकर ट्रायल लिया गया, जो पूरी तरह सफल रहा।

सिग्नलिंग प्रणाली पहले ही हो चुकी है चालू

ओंकारेश्वर रोड स्टेशन पर विद्युतीकरण से पहले इलेक्ट्रॉनिक इंटरलॉकिंग और आधुनिक सिग्नलिंग प्रणाली का कार्य भी पूरा कर चालू किया जा चुका है। विद्युतीकरण पूरा होने से अब स्टेशन की तकनीकी और सुरक्षा व्यवस्था और अधिक सुदृढ़ हो गई है।

यात्री सुविधाओं के कार्य अंतिम चरण में

स्टेशन पर यात्रियों की सुविधा के लिए प्लेटफॉर्म निर्माण और अन्य आवश्यक अधोसंरचना से जुड़े अधिकांश कार्य पूरे किए जा चुके हैं। शेष बचे कार्यों को भी तेजी से पूरा किया जा रहा है। इस पूरी परियोजना के साकार होने से क्षेत्र में रेल परिवहन अधिक सुरक्षित, सुविधाजनक और तेज होने की उम्मीद है।

बीएसएनएल ने 8 साल से प्रॉपर्टी टैक्स नहीं भरा, ऑफिस पर भी होगी कार्रवाई

दैनिक इंदौर संकेत

देवास ● नगर निगम ने आठ साल से प्रॉपर्टी टैक्स जमा नहीं करने पर बीएसएनएल के खिलाफ कार्रवाई की है। शुक्रवार को निगम की राजस्व टीम ने बीएसएनएल के तीन ठिकानों को सील कर दिया। बीएसएनएल पर करीब 80 लाख रुपए का प्रॉपर्टी टैक्स बकाया है। निगम ने फिलहाल बकाया राशि जमा करने के लिए सात दिन का समय दिया है।

कालानी बाग के कार्यालय और गोडाउन पर लगाई सील

नगर निगम की प्रभारी राजस्व अधिकारी अनुभूति श्रीवास्तव ने बताया कि कार्रवाई निगम आयुक्त के निर्देश पर की गई। बीएसएनएल पर करीब आठ साल से प्रॉपर्टी टैक्स बकाया था। बकाया जमा कराने के लिए लगातार प्रयास किए गए, लेकिन भुगतान नहीं होने पर निगम ने कार्रवाई की।

राजस्व टीम ने कालानी बाग स्थित बीएसएनएल कार्यालय और गोडाउन को सील किया। इसके अलावा एबी रोड स्थित बीएसएनएल एक्सचेंज कार्यालय पर भी सील लगाई गई।

7 दिन में भुगतान नहीं किया तो होगी आगे कार्रवाई

प्रभारी राजस्व अधिकारी ने बताया कि बीएसएनएल को करीब 80 लाख रुपए का बकाया जमा करने के लिए सात दिन का समय दिया गया है। इस अवधि में राशि जमा नहीं होने पर निगम नियमानुसार आगे की कार्रवाई करेगा। इसमें बीएसएनएल का पूरा कार्यालय सील किया जा सकता है।

कटा पड़ा पीपल अचानक खड़ा हो गया, धरमपुरी में चमत्कार मानकर दर्शन और पूजा के लिए जुटे लोग

दैनिक इंदौर संकेत

धरमपुरी ● धरमपुरी जनपद पंचायत के तारापुर (लालमाटिया गांव) में स्वतंत्रता दिवस पर एक अनोखी और हैरान कर देने वाली घटना सामने आई। यहां 2 साल पहले जेसीबी से गिराया गया और पूरी तरह से सूख चुका पीपल का पेड़ शनिवार सुबह करीब 9 बजे अचानक अपने आप सीधा खड़ा हो गया। इस घटना को लोग देवी का चमत्कार मान रहे हैं।

ग्रामीणों ने बताया कि राम सिंह के घर के पीछे स्थित इस पीपल के पेड़ को दो साल पहले जेसीबी से मिट्टी खोदकर गिराया गया था। तब से यह पेड़ जमीन पर पड़ा-पड़ा पूरी तरह सूख चुका था। लेकिन शनिवार सुबह अचानक पेड़ को अपने आप सीधा खड़ा देख पूरा गांव दंग रह गया।

दर्शन के लिए उमड़ी भीड़, महिलाओं ने शुरू की पूजा-पाठ

घटना की खबर फैली और देखते ही देखते आसपास के गांवों से लोगों का हुजूम जुटने लगा। तारापुर की रंजना चौहान और लालमाटिया के दयाराम अचाले ने बताया कि लोग इसे साक्षात चमत्कार और शुभ संकेत मान रहे हैं। महिलाओं ने पेड़ के आसपास साफ-सफाई कर पूजा-अर्चना शुरू कर दी है और लोग वहां मन्नतें मांगने पहुंच रहे हैं।

LOTUS INTERNATIONAL SCHOOL DEPALPUR
Lotus Group

लोटस ग्रुप की
देपालपुर क्षेत्र को
एक नई सौगात

लोटस
इंटरनेशनल स्कूल

आपका विश्वास, हमारी जिम्मेदारी

अनेकता में एकता ही इस देश की शान है,
इसीलिए मेरा भारत महान है

स्वतंत्रता दिवस

के राष्ट्रीय पर्व की आप सभी को
हार्दिक शुभकामनाएँ

LOTUS INTERNATIONAL SCHOOL
ADMISSIONS OPEN
Class : Nursery to 7th

एक उड़ान...
आधुनिक शिक्षा की ओर...

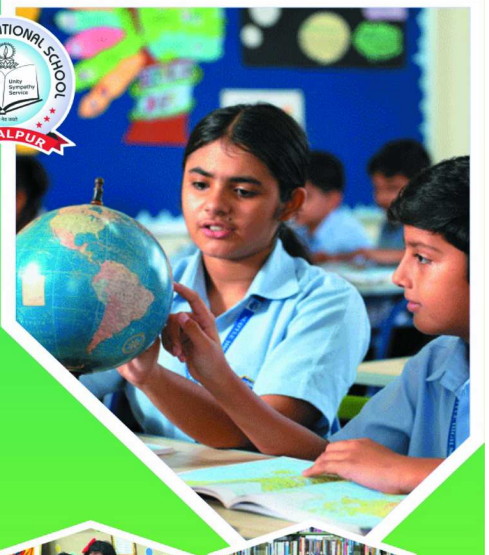

- Expert Learning with Trained & Qualified Educators
- Learning Beyond Books – NEP 2020 Way
- Skill-Based Education for Real Life
- Strong Basics with NCERT Education

सफलता के 21 वर्ष...

LOTUS CONVENT SCHOOL
BANGRED - 2005

LOTUS INTERNATIONAL SCHOOL
BANGRED - 2012

LOTUS INTERNATIONAL SCHOOL
BARNAGAR - 2022

LOTUS INTERNATIONAL SCHOOL
KANWAN - 2011

LOTUS INTERNATIONAL SCHOOL
SADALPUR - 2018

LOTUS INTERNATIONAL SCHOOL
KHARSOD KALAN - 2025

सम्पर्क करें : 99262-59742, 83194-06693
बेटमा रोड़, नेक्सा कार शोरूम के पिछे, देपालपुर

जिनके अमर बलिदान से मिली स्वतंत्रता

उन वीरों को शत-शत नमन

नया मध्यप्रदेश

समानता का विश्वास, समावेशी विकास

नरेन्द्र मोदी, प्रधानमंत्री

"स्वतंत्रता हमें केवल अधिकार नहीं देती, बल्कि यह कर्तव्य का स्मरण भी कराती है। आइए, हम सब मिलकर प्रदेश के समग्र विकास और समृद्धि के लिए निरंतर प्रयासरत रहने का संकल्प लें।"

डॉ. मोहन यादव
मुख्यमंत्री, मध्यप्रदेश

प्रदेशवासियों को

80वें स्वाधीनता दिवस की

हार्दिक शुभकामनाएं

स्वतंत्रता दिवस की शुभकामनाएं
मुख्यमंत्री का संदेश सुनने के लिए यहां स्कैन करें

जुड़ें नए मध्यप्रदेश से

सीधा प्रसारण
@Cmmadhyapradesh
@jansampark.madhyapradesh
@Cmmadhypradesh
@jansamparkMP
JansamparkMP

मध्यप्रदेश जनसम्पर्क द्वारा जारी

आकल्पना : म.प्र. माध्यम/2026

D-18014/26

स्वामी, मुद्रक, प्रकाशक, संपादक : **अक्षय तिवारी** द्वारा मेसर्स डी.बी. कार्प लिमि. 44-45/ए, 50-51/ए, सेक्टर एफ इंडस्ट्रीयल एरिया, सांवेर रोड़, इंदौर (मप्र)- 452008 से मुद्रित एवं 5/6, नार्थ राजमोहल्ला (गुरूद्वारे के सामने), इंदौर (म.प्र.) से प्रकाशित। **आरएनआई - एमपीएचआईएन/2021/81650**
सभी विवादों के लिए न्याय क्षेत्र केवल इंदौर रहेगा। समाचार पत्र में व्यक्तिगत नाम से प्रकाशित खबर एवं आलेख के लिए वे स्वयं जिम्मेदार होंगे।